>

Title: Need to repair N.H. Nos. 55, 31A, 31C and 31D in West Bengal.

श्री मनोहर तिरकी (अलीपुरद्वार): सभापति महोदय, मैं एक महत्वपूर्ण विषय सदन में उठाना चाहता हूं और आपके माध्यम से इसके समाधान के लिए सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं। देश के साथ पूर्वांचल के आठ प्रदेश असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, सिक्किम इत्यादि को सम्पूर्ण देश से जोड़ने वाला एकमात्र राष्ट्रीय राजमार्ग 31ए - 31डी है। इस रास्ते की हालत बहुत खराब है। मैंने सदन में इस विषय को उठाया है। सरकार ने भी कहा है कि इसकी मरम्मत करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। वहां एक घंटे का रास्ता पार करने में चार घंटे लग जाते हैं। यह रास्ता हमारे पूर्वांचल की जीवन रेखा है बल्कि पड़ोसी देश भूटान के साथ जुड़ा है, नेपाल से जुड़ा है। चूंकि यह सीमांत इलाका है। इसमें चीन की सीमा भी पड़ती है। इस लाइन पर बड़ी-बड़ी सेना छावनियां हैं। एयरपोर्ट भी है, टूरिस्ट स्थल भी हैं। वहां बरसात भी ज्यादा होती है, इसलिए आने-जाने में बहुत ज्यादा समय लगता है। इसलिए मैं चाहता हूं कि इस रास्ते पर ज्यादा ध्यान दे कर मजबूती के साथ काम किया जाए और चार लेन का जो काम आधे में छूट गया है, उसे भी पूरा किया जाए। राष्ट्रीय राजमार्ग - 55 रास्ता दार्जलिंग जाने का एकमात्र रास्ता है, यह भी कई साल से टूटा हुआ है। किसी प्रकार की मरम्मत नहीं हुई है। हजारों की तादाद में टूरिस्ट्स जाते हैं, उन्हें मुश्किल होती है। दार्जलिंग के लोगों की डिमांड है कि कोई भी सरकार उनकी तरफ ध्यान नहीं देती है।

कोई सरकार हमें नहीं देखती है, इसलिए बहुत सारे कारण हैं और 31 सी तथा 31 टी की मरम्मत पर ध्यान दिया जाए तथा चार लाइन के रास्ते को जल्दी से जल्दी ठीक किया जाए और वहां की अर्थ-व्यवस्था अच्छी हो, इसके लिए मैं सरकार से अनुरोध करता हूं।